

भूर पुं. (देश.) 1. बालू 2. एक प्रकार की लाल मिट्टी जिसमें बालू मिली रहती है, इस प्रकार की मिट्टी में कुछ पैदा नहीं होता।

भूरि वि. (तत्.) बहुत, अधिक।

भूरज पुं. (तत्.) 1. भूमि की धूलि 2. मिट्टी।

भूरजपत्र पुं. (तद्.+तत्.) भोजपत्र, मंझले आकार का एक वृक्ष तथा इसकी छाल जो प्राचीन काल में ग्रंथ-लेखन के काम आती थी।

भूरसायन पुं. (तत्.) भूवि. भूविज्ञान की एक शाखा जिसमें भूपटल की रासायनिक संरचना तथा उसके रासायनिक परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है। geochemistry

भूरा वि. (तद्.) 1. मिट्टी के समान वर्ण वाला, खाकी, मटमैला पुं. 1. मिट्टी जैसा रंग, खाकी रंग 2. एक विशेष प्रकार का कबूतर जिसके पेट पर सफेद छींटे के समान चिह्न होते हैं तथा पीठ काले रंग की होती है।

भूराजस्व पुं. (तत्.) प्रशा. कृषि-कर्म में प्रयोग की जाने वाली भूमि पर लगने वाला सरकारी कर, लगान।

भूरि पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. विष्णु 3. शिव 4. स्वर्ण, सोना वि. 1. बहुत, प्रचुर 2. भारी 3. बड़ा क्रि.वि. 1. बहुत अधिक मात्रा में, बहुत अधिक परिमाण में 2. अतिशय, अत्यंत।

भूरि छरीला पुं. (देश.) आयु. नदी आदि के समीपवर्ती पर्वतों एवं वृक्षों पर शीतकाल में बर्फ के जमने से उत्पन्न काई में निकली छोटी पत्तियों का, ग्रीष्म काल में सूखकर उतरने वाला रूप जो औषधि रूप में प्रयुक्त होता है, इसे 'छार-छरीला', 'पत्थर का फूल', 'शिला पुष्प' तथा 'शैलेय' आदि विविध नामों से भी जाना जाता है।

भूरितेजस वि. (तत्.) बड़ा चमकीला पुं. अग्नि।

भूर्ज पुं. (तत्.) भोज का वृक्ष जिसकी छाल पहले लेखन कार्य में कागज के समान प्रयोग में लाई जाती थी।

भूर्जपत्र पुं. (तत्.) 1. भोज वृक्ष की छाल 2. भोजपत्र।

भूल स्त्री. (देश.) 1. भूलने की अवस्था या भाव 2. अज्ञान अथवा भ्रम के कारण होने वाली गलती, कुछ को कुछ समझने की अवस्था mistake 3. अर्थ, तथ्य अथवा प्रक्रिया आदि को ठीक से न समझ पाने के कारण कुछ गलत कर डालने की स्थिति, अशुद्धि 4. पूरा ध्यान न देने अथवा जल्दबाजी के कारण होने वाली त्रुटि Slip 5. अनजाने में असावधानी के कारण होने वाला अपराध, कसूर 6. ऐसी क्रिया अथवा निर्णय जिसका परिणाम अवांछित हो जैसे- चालक की भूल से होने वाली दुर्घटना 7. स्मरण न रहना, विस्मरण। error

भूलचूक लेनी देनी लोकोक्ति. (देश.) यदि किसी कारणवश हिसाब-किताब अथवा लेन-देन में कोई त्रुटि रह जाए तो आवश्यक सुधार के अनुसार लेन-देन बाद में भी संभव है।

भूलना स.क्रि. (देश.) 1. विस्मरण, याद न रखना 2. गलती करना, असावधानी अथवा जल्दबाजी के कारण जो करने योग्य है उसे न करना 3. खो देना 4. मार्ग में भटक जाना 5. मोह में पड़ना अ.क्रि. 1. विस्मृत होना, स्मरण न रहना 2. दृष्टि दोष अथवा असावधानी के कारण गलती कर बैठना 3. किसी की मीठी-मीठी बातों में फँसना 4. धोखा खाना 5. अचंभे में रह जाना 6. मुग्ध हो जाना 7. बेसुध हो जाना 8. मार्ग में भटक जाना।

भूल-भुलैया स्त्री. (देश.) एक ऐसा भवन अथवा स्थान जहाँ अनेक समान गलियारों, द्वारों तथा चक्करदार मार्गों आदि के कारण अंदर गया हुआ व्यक्ति बाहर निकलने के लिए मार्गदर्शन चाहता है 2. रेखा आदि के द्वारा निर्मित उक्त प्रकार की जटिल संरचना लाक्ष. बहुत चक्कर वाली, दुरुह बात।

भूलोक पुं. (तत्.) पृथ्वी लोक, जगत्, संसार, मर्त्यलोक।

भूवलय पुं. (तत्.) पृथ्वी की परिधि।